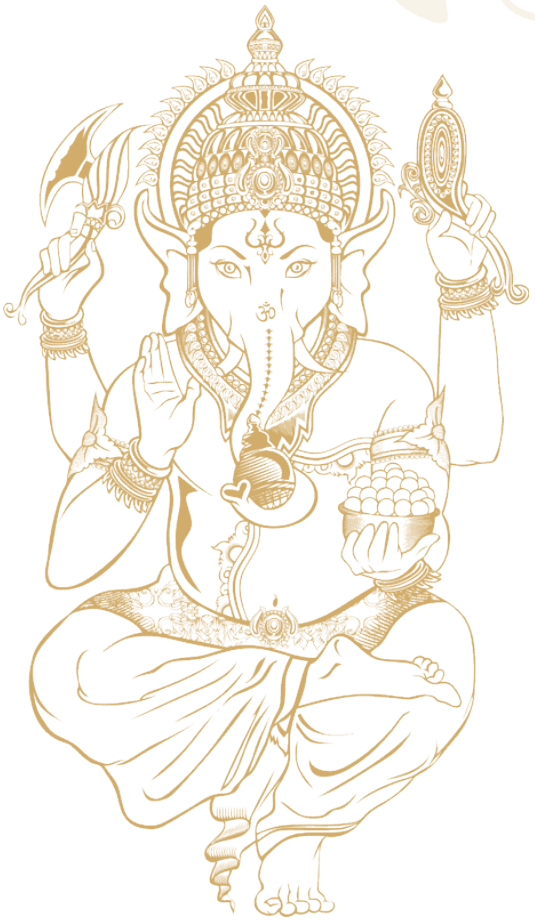

Raju

21 Jun 1966

02:15 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121288404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20-21/06/1966**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**02:15:00 घंटे**
इष्ट	52:03:36 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:59:16 घंटे
वेलान्तर	-00:01:19 घंटे
साम्पातिक काल	19:53:43 घंटे
सूर्योदय	05:25:33 घंटे
सूर्यास्त	19:08:45 घंटे
दिनमान	13:43:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	05:40:05 मिथुन
लग्न के अंश	14:14:31 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ध्रुव
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	14:14:31	445:24:53	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	05:40:05	00:57:17	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	सम राशि
चंद्र			कर्क	02:33:44	14:26:02	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	स्वराशि
मंगल		अ	वृष	22:44:18	00:41:35	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	सम राशि
बुध			मिथु	28:54:49	01:25:55	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	स्वराशि
गुरु			मिथु	16:23:16	00:13:28	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	00:00:19	01:10:24	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	स्वराशि
शनि			मीन	05:56:45	00:02:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		वृष	01:32:50	00:05:10	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	01:32:50	00:05:10	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
हर्ष			सिंह	22:26:53	00:01:28	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
नेप	व		तुला	26:26:55	00:01:10	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
प्लूटो			सिंह	22:34:36	00:00:45	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			मक	03:01:18	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:23:06

लग्न-चलित

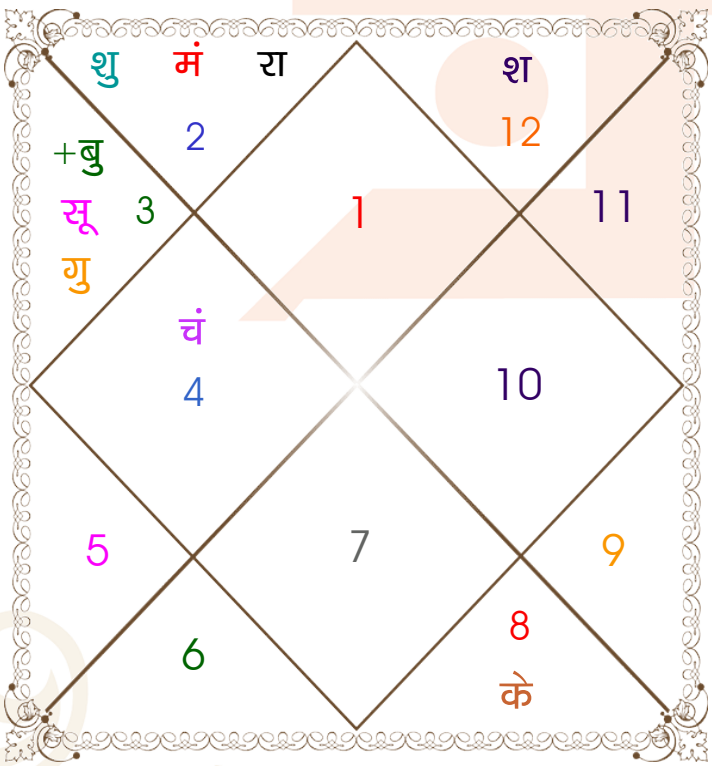

चन्द्र कुंडली

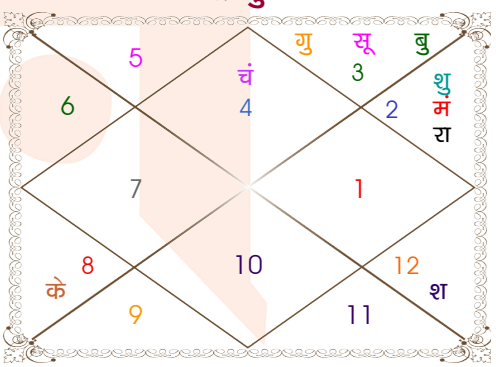

नवमांश कुंडली

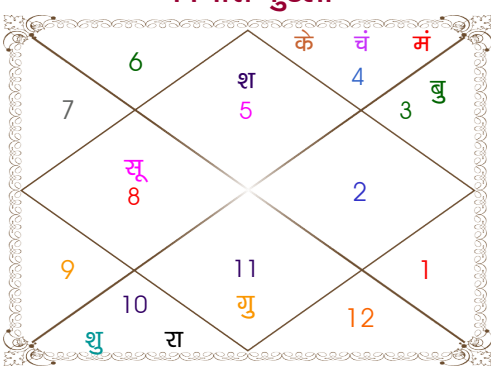

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 11 मास 3 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/06/1966		25/05/1967		24/05/1986		25/05/2003		24/05/2010	
25/05/1967		24/05/1986		25/05/2003		24/05/2010		24/05/2030	
	00/00/0000	शनि	27/05/1970	बुध	20/10/1988	केतु	21/10/2003	शुक्र	23/09/2013
	00/00/0000	बुध	04/02/1973	केतु	17/10/1989	शुक्र	20/12/2004	सूर्य	23/09/2014
	00/00/0000	केतु	15/03/1974	शुक्र	17/08/1992	सूर्य	27/04/2005	चंद्र	24/05/2016
	00/00/0000	शुक्र	15/05/1977	सूर्य	24/06/1993	चंद्र	26/11/2005	मंगल	24/07/2017
	00/00/0000	सूर्य	27/04/1978	चंद्र	23/11/1994	मंगल	24/04/2006	राहु	24/07/2020
	00/00/0000	चंद्र	26/11/1979	मंगल	20/11/1995	राहु	12/05/2007	गुरु	25/03/2023
	00/00/0000	मंगल	04/01/1981	राहु	09/06/1998	गुरु	17/04/2008	शनि	24/05/2026
	21/06/1966	राहु	11/11/1983	गुरु	13/09/2000	शनि	27/05/2009	बुध	24/03/2029
राहु	25/05/1967	गुरु	24/05/1986	शनि	25/05/2003	बुध	24/05/2010	केतु	24/05/2030

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
24/05/2030		24/05/2036		24/05/2046		24/05/2053		25/05/2071	
24/05/2036		24/05/2046		24/05/2053		25/05/2071		21/06/2086	
सूर्य	11/09/2030	चंद्र	24/03/2037	मंगल	20/10/2046	राहु	04/02/2056	गुरु	12/07/2073
चंद्र	13/03/2031	मंगल	23/10/2037	राहु	08/11/2047	गुरु	30/06/2058	शनि	23/01/2076
मंगल	18/07/2031	राहु	24/04/2039	गुरु	14/10/2048	शनि	06/05/2061	बुध	30/04/2078
राहु	11/06/2032	गुरु	23/08/2040	शनि	23/11/2049	बुध	23/11/2063	केतु	06/04/2079
गुरु	30/03/2033	शनि	24/03/2042	बुध	20/11/2050	केतु	11/12/2064	शुक्र	05/12/2081
शनि	12/03/2034	बुध	24/08/2043	केतु	18/04/2051	शुक्र	11/12/2067	सूर्य	23/09/2082
बुध	17/01/2035	केतु	24/03/2044	शुक्र	17/06/2052	सूर्य	04/11/2068	चंद्र	23/01/2084
केतु	25/05/2035	शुक्र	23/11/2045	सूर्य	23/10/2052	चंद्र	06/05/2070	मंगल	29/12/2084
शुक्र	24/05/2036	सूर्य	24/05/2046	चंद्र	24/05/2053	मंगल	25/05/2071	राहु	21/06/2086

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 11 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म काल मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित हो रहा था। साथ-साथ भरणी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह का नवमांश एवं सिंह राशि का ही द्रेष्काण भी प्रभावित था। आपके जन्म प्रभाव से यह सुनिश्चित है कि आप प्रचूर मात्रा में सुख-आराम एवं विलासिता संबंधी वस्तुओं का संचय करेंगे, जो अत्याधिक पश्चाताप विपत्ति का कारण भी बन सकता है।

आप शारीरिक रूप से पुष्ठ एवं शक्तिशाली होंगे, साथ ही आपकी आंखे सुंदर, दृष्टि तीक्ष्ण होगी। आप निःसंदेह आपना आरामदेह जीवन बिता सकेंगे। आपके सेवक आपकी आज्ञा का पालन करेंगे। आप धार्मिक, उदार, दानी बनकर संपूर्ण आनंदमयजीवन बिताएंगे। आपकी आज्ञा का सम्मान अन्य व्यक्ति भी करेंगे। विशेष कर 25 वर्ष की आयु के पश्चात् वास्तव में आपके धनोपार्जन के लिए भाग्यशाली एवं उचित समय प्रांरभ होगा।

यह विश्वसनीय है कि यदि आप प्रसन्नता पूर्वक भाग्यशाली जीवन बिताना चाहते हैं तो सतत धुम्रपान करना, विलासिता पूर्ण जीवन का विस्तार करना, कामुकता पूर्ण एवं मद्य पान करना, रंगरलियां मनाना बंद करें। अन्यथा परिणाम स्वरूप आपका जीवन यौन-रोग से प्रभावित होकर दीर्घकालीन रोगी हो जाएंगे। आप सदैव ही दीर्घकालीन रोग तथा मस्तिष्क रोग से सुरक्षित रहने के लिए सतर्क रहे तब आप स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप विलासी और प्रेम करने वाले प्राणी हैं। आप अपने हेतु संगीत, खेल-कूद, पशु चिकित्सा अथवा नेत्र विशेषज्ञ विभाग को जीवन के लिए अनुकूल समझेंगे। आप सदैव ही धनोपार्जन हेतु होटल, डीलरशिप, चर्म एवं चर्मोद्योग का धंधा प्रारंभ कर सकते हैं।

आप साहस एवं दृढ़ इच्छा शक्ति के लिए बहुत प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। आप बिना किसी अन्य की राय लिए ही अपना निर्णय कायम करेंगे। परंतु आप अपने गलत निर्णय को नियमबद्ध तरीके से प्रेरित नही कर सकते। अतः उत्तम तो यह है कि सुदृढ़ निर्णय लेने के पश्चात् ही विश्वसनीयता पूर्वक किसी प्रस्ताव को नियमित करें।

आप वास्तव में मित्रों के मित्र हैं। आप अपनी राह पर चलकर, अपनी बड़ी मित्र मंडली के सहयोग द्वारा जीवन की यात्रा तय कर सकते हैं।

आपके जीवन में विद्वेष तथा मतांतर से आपका प्रेम संबंध भी उत्तेजित रहेगा। आप सदैव ही अपना पारिवारिक जीवन सुखमय रखने का प्रयास करेंगे। आपकी पत्नी आपका पूर्ण समर्थन करेगी तथा आपके साथ जीवन बिताना चाहेगी परंतु आपके व्यवहार से कुप्रभावित होकर आपके साथ कटुता का अनुभव कर किसी भी क्षण आपके विमुख हो जाएगी।

आप अपने साहसिक एवं सृजानात्मक प्रवृत्ति से अपने विचारों में परिवर्तन लाकर, बहुत सी यात्राएं करेंगे। क्योंकि आप विभिन्न स्थानों में नाना प्रकार की मित्रता प्रारंभ करेंगे। अर्थात् बहुत प्रकार के लोगों से मित्रता स्थापित करेंगे। परिणाम स्वरूप आपका बहुत ही अधिक धन का अपव्यय होगा।

आपके लिए यह स्पष्ट निर्देश है कि आप अपने जीवन को उत्तेजना रहित रखने के

लिए मादक पेय एवं मांसहार का त्याग करें। आपको बहुतायत में हरी-सब्जियों का (व्यवहार) आहार सदैव लेना चाहिए यही आपके लिए उत्तम है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए भग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक तरंगित है। इसके अतिरिक्त अंक 4 और 8 अंक आपके लिए प्रभावशाली है। अंक 6 और 7 अंक अनुपयुक्त है। शेष अंक 2, 3 एवं 5 अंक कभी ठीक कभी निष्क्रिय फलदायी होंगे।

आपके लिए उपयुक्त एवं अनुकूल रंग पीला, स्वर्णिम, एवं लाल है, जब कि काला रंग पूर्णरूपेण त्याज्य है।